

प्रेषक

डा० हेमलता ठोंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 15 जनवरी, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु खनन प्रशासन का अधिष्ठान, हेतु प्रथम अनुपूरक अनुदान के द्वारा व्यवस्थित धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 1283/लेखा0/आयोजनागत/2007-08 दिनांक 24.12.2007 के सदर में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 में भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई हेतु 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान के अन्तर्गत शासनादेश संख्या: 3926/VII-1/50-ख/06 दिनांक 31 जुलाई, 2007 एवं शासनादेश संख्या: 4717/VII-2/50-ख/2006 दिनांक 31 सितम्बर, 2007 के क्रम में वित्तीय वर्ष 2007-08 की प्रथम अनुपूरक मांग के द्वारा वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों में संलग्न विवरणानुसार व्यवस्थित रूपसे 13,00,000/- (रु० तेरह लाख मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सार्वभौम स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावानुसार वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों में ही स्वीकृत की जा रही है व आपके निवर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि कृपया विभाग को उनकी मांग के अनुरूप तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अवचनबद्ध मदों में धनराशि को व्यय करते समय गितव्यवता का विशेष ध्यान रखा जाय तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- जहां मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मनुष्य/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरांत व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय।

4- अवचनबद्ध मदों में बजट आवंटन की सीमा में ही व्यय को सीमित रखा जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2008 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

5- उपकरण/फर्नीचर आदि का क्रय डी०जी०एस०एण्ड डी० की दरों पर अथवा टेंडर/कुटेशन के नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

6- कम्प्यूटर आदि का क्रय एन0आई0सी0/आई0टी0 विभाग की संस्तुति से अथवा उनके दिशा-निर्देशों के अनुसार ही किया जायेगा।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक 2853-अलौह खनन तथा धातु कर्म उद्योग, 02-खानों का विनियमन तथा विकास, आयोजनेतर 001-निर्देशन तथा प्रशासन लघु शीर्षक 003 के स्थान पर), 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान-00 के अन्तर्गत संलग्न में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 सं0 801/XXVII(2)/08, दिनांक 15 जनवरी, 2008 के द्वारा उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोक्त।

भवदीया,

(डा0 हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 7046(1)/VII-2/50-ख/2006 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/हल्द्वानी-नैनीताल।
5. उप निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
- ✓ 6. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से


(डा0 हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।

शासनादेश संख्या: 7046 / VII-2 / 50-ख / 2006 दिनांक १५ जनवरी, 2008 का संलग्नक :

03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान-00-आयोजनेत्तर :

क. सं.	मद	स्वीकृत धनराशि (रु० हजार में)
1	02-मजदूरी	400
2	06-अन्य भत्ते	300
3	07-मानदेय	100
4	17-किराया उपशुल्क तथा कर स्वामित्व	300
5	42-अन्य व्यय	100
6	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	100
	कुल योग	1300

(रुपये तेरह लाख मात्र)


(डा० हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।